

कुर्की उठाना- जब्त की हुई जायदाद को छोड़ देना; कुर्की बैठाना- कुर्क करना; कुर्की ले जाना- कुर्कनामा लेकर कुर्की कराने जाना।

कुर्ता पुं. (तुर्की.) दे. कुरता।

कुर्ती स्त्री. (तुर्की.) दे. कुरती।

कुर्बान पुं. (अर.) दे. कुरबान।

कुर्बानी स्त्री. (अर.) दे. कुरबानी।

कुर्मी पुं. (देश.) हिंदुओं की एक जाति जो खेती करती है, कुरमी।

कुर्मा पुं. (अर.) 1. रमल के काम में प्रयुक्त पाँसा, पाशक, सारि 2. पुं. सुख, चैन, ठंडक, जोति 3. पुं. गधे या घोड़े का बच्चा, कोड़ा, चाबुक।

कुर्मी स्त्री. (देश.) 1. हेंगा, पटरा, पटेला, सुहागा 2. कुरकुरी हड्डी 3. गोल टिकिया।

कुर्सी स्त्री. (अर.) दे. कुरसी।

कुलंजन पुं. (देश.) अदरक की तरह का एक पौधा, कुलंज, कुर्णज, गंधमूल 2. पानी की जड़ या डंठल जिसे लोग खाली या कत्था, चूना मिलाकर खाते हैं 3. पान की जड़।

कुलंधर वि. (तत्.) वंश परंपरा को चलाने वाला।

कुल पुं. (तत्.) वंश, घराना, खानदान यौ. कुलकानि, कुलपति, कुलकलंक, कुलांगार, कुलतिलक, कुलभूषण कुलकंटक मुहा. कुल बखानना- वंश विरुदावलि वर्णन करना बहुत गालियाँ देना 2. जाति 3. समूह, समुदाय, झुंड जैसे- कविकुलभूषण, कविकुलतिलक 4. भवन, घर 5. तंत्र के अनुसार प्रकृति, काल, आकाश, जल, तेज, वायु आदि पदार्थ 6. वाम मार्ग, कौशल धर्म 7. संगीत में एक ताल जिसमें इस प्रकार 15 मात्राएँ होती हैं- द्रुत, लघुद्रुत, लघु, द्रुत, लघु, द्रुत, द्रुत, द्रुत, द्रुत और लघु 8. स्मृति के अनुसार व्यापारियों या कारीगरों का संघ, श्रेणी, कंपनी 9. कौटिल्य के अनुसार शासन में आने वाले उच्च लोगों का मंडल, कुलीनतंत्र राज्य 10. देह शरीर 11. अगला भाग 12. एक प्रकार का नीला पत्थर 13. गोल 14. नगर, जनपद 15. योग के अनुसार कुंडलिनी शक्ति जो मूलाधार चक्र में है।

कुल वि. (अर.) समस्त, सब, सारा, पूरा, तमाम यौ. कुलजमा 1. सब मिलाकर 2. केवल मात्र।

कुलकंटक पुं. (तत्.) अपनी कुचाल से अपने वंशवालों को दुःखी करने वाला।

कुलक वि. (तत्.) अच्छे कुल खानदान का पुं. 1. मकर, तेंदुआ नाम का वृक्ष 2. कुचिला 3. परवल या उसकी लता 4. हरा साँप 5. दीपक 6. श्रेणी या समूह का प्रधान 7. समूह 8. वल्मीक, बाँबी 9. संस्कृत में गद्य लिखने का एक ढंग 10. संस्कृत में कविता लिखने का एक विशेष ढंग जो 5 से 14 तक एक साथ अन्वित होता है।

कुलकज्जल वि. (तत्.) वंश को कलंकित करने वाला।

कुलकना अ.क्रि. (देश.) आनंदित होना उदा. 'लक्ष्मण का तन पुलक उठा, मन मारो कुछ कुलक उठा' -साकेत।

कुलकन्या स्त्री. (तत्.) श्रेष्ठ कुल की कन्या।

कुलकलंक पुं. (तत्.) 1. अपनी कुचाल से अपने वंश की कीर्ति में धब्बा लगाने वाला।

कुलकानि स्त्री. (तद्.) कुल की मर्यादा उदा. 'छूटेऊ लाज डगरियाऔर कुलकानि। करतजात अपरधना परि गड़ बानि' -रहीम।

कुलकुल पुं. (अनु.) बोटल या सुराही से मदिरा या जल गिराने के समय होने वाली आवाज पुं. (अनु.) प्रयो. पक्षियों की मधुर ध्वनि खगकुल कुलकुल सा बोल रहा -लहर।

कुलकुलाना अ.क्रि. (अर.) कुल कुल शब्द करना। मुहा. आँते कुलकुलाना-अत्यंत भूख लगना।

कुलकेतु पुं. (तत्.) कुल में पताका के समान श्रेष्ठ, कुल को यशस्वी बनाने वाला व्यक्ति।

कुलक्षण पुं. (तत्.) 1. बुरा लक्षण 2. कुचाल, बदचलनी वि. बुरे लक्षण वाला 2. दुराचारी

कुलक्षणी वि. (तत्.) 1. बुरे लक्षण वाला 2. दुराचारी स्त्री. बुरे लक्षणवाली, दुराचारिणी।

कुलक्षय पुं. (तत्.) वंश का विनाश।